



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 655]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 29, 2005/आषाढ़ 8, 1927

No. 655]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 29, 2005/ASADHA 8, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जून, 2005

आय-कर

का.आ. 903(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80घघ और 80प के साथ पठित धारा 295 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (अठारहवां संशोधन) नियम, 2005 है।
(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. आय-कर नियम, 1962 में,—

(क) नियम 11क के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“11क. धारा 80घघ और 80प के अधीन कटौती के प्रयोजनों के लिए स्वपरायणता, प्रमस्तिष्क घात और बहुनिःशक्ताता को प्रमाणित करने के लिए चिकित्सा प्राधिकारी और चिकित्सा अधिकारी से अभिप्राप्त किया जाने वाला प्रमाणपत्र।

- (1) धारा 80घघ की उपधारा (4) के स्पष्टीकरण के खंड (ड) और धारा 80प की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण के खंड (ख) के प्रयोजनों के लिए, राष्ट्रीय स्वपरायणता, प्रमस्तिष्क घात, मानसिक मंदता और बहुनिःशक्ताताग्रस्त व्यक्ति कल्याण न्यास अधिनियम, 1999 (1999 का 44) की धारा 2 के खंड (क), (ग), (ज), (झ) और (ण) में निर्दिष्ट ‘स्वपरायणता’, ‘प्रमस्तिष्क घात’, ‘बहुनिःशक्ताताग्रस्त’, ‘निःशक्त व्यक्ति और गंभीर निःशक्ताता’ को प्रमाणित करने के लिए चिकित्सा प्राधिकारी में निम्नलिखित होंगे,—

- (i) न्यूरोलोजी में डाक्टर आफ मेडिसिन (एमडी) की डिग्री रखने वाला न्यूरोलोजिस्ट (बालकों की दशा में, एक बाल चिकित्सा न्यूरोलोजिस्ट जिसके पास समतुल्य डिग्री हो); या

- (ii) सरकारी अस्पताल में सिविल सर्जन या मुख्य चिकित्सा अधिकारी।
- (2) धारा 80घघ की उपधारा (4) और धारा 80प की उपधारा (2) के प्रयोजनों के लिए, निर्धारित आय की विवरण के साथ चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाणपत्र की प्रति प्रस्तुत करेगा,—
- (i) प्ररूप सं. 10झक में, जहां निःशक्तता या गंभीर निःशक्तताग्रस्त व्यक्ति स्वपरायणता, प्रमस्तिष्क घात या बहुनिःशक्तता से ग्रस्त है; या
- (ii) अधिसूचना सं. 16-18/97-एनआई. 1, तारीख 1 जून, 2001 द्वारा जो भारत के राजपत्र, भाग I, खंड 1, तारीख 13 जून, 2001 में प्रकाशित हुई थी और अधिसूचना सं. 16-18/97-एनआई. 1, तारीख 18 फरवरी, 2002 द्वारा जो भारत के राजपत्र, भाग I, खंड 1, तारीख 27 फरवरी, 2002 में प्रकाशित हुई थी, विहित प्ररूप में और विभिन्न निःशक्तता के मूल्यांकन के लिए मार्गनिर्देशों के अधीन अधिसूचित तथा किसी अन्य मामले में निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 (1996 का 1) को ध्यान में रखते हुए प्रमाणन की प्रक्रिया।
- (3) जहां निःशक्तता की दशा अस्थायी है और विनिर्दिष्ट अवधि के पश्चात् पुनःनिर्धारण अपेक्षित है, प्रमाणपत्र, उस पूर्व वर्ष जिसके दौरान प्रमाणपत्र जारी किया गया था सुसंगत निर्धारण वर्ष से आरंभ होने वाली और उस पूर्व वर्ष से जिसके दौरान प्रमाणपत्र की विधिमान्यता समाप्त होती है, में सुसंगत निर्धारण वर्ष के साथ समाप्त होने वाली अवधि के लिए विधिमान्य होगा।
- (ख) परिशिष्ट में प्ररूप 10-झ के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“प्ररूप-10 जक

[नियम 11क का उपनियम (2) देखें]

धारा 80घघ और धारा 80प के प्रयोजनों के लिए निःशक्त व्यक्ति, गंभीर निःशक्तता, स्वपरायणता/प्रमस्तिष्कघात और बहुनिःशक्तता को प्रमाणित करने के लिए चिकित्सा प्राधिकारी का प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र सं.

तारीख

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/सुश्री पुत्र/पुत्री श्री आयु वर्ष पुरुष/स्त्री* निवासी रजिस्ट्रीकरण सं. निःशक्त/गंभीर निःशक्त* व्यक्ति है जो स्वपरायणता/प्रमस्तिष्क घात/बहुनिःशक्तता से पीड़ित है।

2. इस दशा में सुधार हो रहा है/सुधार नहीं हो रहा है/सुधार होने की संभावना है/सुधार न होने की संभावना है।

3. माह/वर्ष की अवधि के पश्चात् पुनर्निर्धारण की सिफारिश की जाती है/नहीं की जाती है।

हस्ताक्षर

(न्यूरोलोजिस्ट/बाल न्यूरोलोजिस्ट/सिविल सर्जन/मुख्य चिकित्सा अधिकारी*)

नाम :

संस्था/सरकारी अस्पताल का पता :

.....

.....

.....

अर्हता/विशेषज्ञ का पदनाम

मुहर

मरीज के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान

टिप्पण : * जो लागू न हो उसे काट दें।”।

[अधिसूचना सं. 177/2005/फा. सं. 142/25/2004-टीपीएल]

चन्द्रजीत सिंह, अवर सचिव

टिप्पण :—मूल नियम अधिसूचना सं. का. आ. 969 तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए जो समय समय पर संशोधित किए गए, ऐसा अंतिम संशोधन अधिसूचना सं. का. आ. 896(अ) तारीख 28 जून, 2005 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th June, 2005

INCOME-TAX

S.O. 903(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 295 read with Section 80DD and Section 80U of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (18th Amendment) Rules, 2005.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Income-tax Rules, 1962,—

(a) for rule 11A, the following rule shall be substituted, namely :—

“11A. Medical authority for certifying autism, cerebral palsy and multiple disabilities and certificate to be obtained from the medical authority for the purposes of deduction under Section 80DD and Section 80U.

(1) For the purposes of clause (e) of the Explanation to Sub-section (4) of Section 80DD and clause (d) of the Explanation to Sub-section (2) of Section 80U, the medical authority for certifying ‘autism’, ‘cerebral palsy’, ‘multiple disabilities’, ‘person with disability’ and ‘severe disability’ referred to in clauses (a), (c), (h), (j) and (o) of Section 2 of the National Trust for Welfare of Persons with Autism, Cerebral Palsy, Mental Retardation and Multiple Disabilities Act, 1999 (44 of 1999), shall consist of the following,—

(i) a Neurologist having a degree of Doctor of Medicine (MD) in Neurology (in case of children, a Paediatric Neurologist having an equivalent degree); or

(ii) a Civil Surgeon or Chief Medical Officer in a Government hospital.

(2) For the purposes of Sub-section (4) of Section 80DD and Sub-section (2) of Section 80U, the assessee shall furnish along with the return of income, a copy of the certificate issued by the medical authority,—

(i) in Form No. 10-IA, where the person with disability or severe disability is suffering from autism, cerebral palsy or multiple disability; or

(ii) in the form prescribed vide notification No. 16-18/97-NI. 1, dated the 1st June, 2001 published in the Gazette of India, Part I, Section 1, dated the 13th June, 2001 and notification No. 16-18/97-NI. 1, dated the 18th February, 2002 published in the Gazette of India, Part I, Section 1 dated the 27th February, 2002 and notified under the Guidelines for evaluation of various disabilities and procedure for certification, keeping in view the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995 (1 of 1996), in any other case.

(3) Where the condition of disability is temporary and requires reassessment after a specified period, the certificate shall be valid for the period starting from the assessment year relevant to the previous year during which the certificate was issued and ending with the assessment year relevant to the previous year during which the validity of the certificate expires.”;

(b) in APPENDIX II, after Form No. 10-I, the following form shall be inserted, namely :—

“FORM NO. 10-IA

[See sub rule (2) of rule 11A]

Certificate of the medical authority for certifying ‘person with disability’, ‘severe disability’, ‘autism’, ‘cerebral palsy’ and ‘multiple disability’ for purposes of Section 80DD and Section 80U

Certificate No. _____

Date. _____

This is to certify that Shri/Smt./Ms _____ son/
daughter of Shri _____, age _____ years male/
female* residing at _____ Registration No. _____
is a person with disability/severe disability* suffering from autism/cerebral palsy/multiple disability*.

2. This condition is progressive/non-progressive/likely to improve/not likely to improve*.

3. Reassessment is recommended/not recommended after a period of _____ months/years*.

Sd/-

(Neurologist/Pediatric Neurologist/Civil Surgeon/Chief Medical Officer*)

Name :

Address of institution/government hospital :

Qualification/designation of specialist :

SEAL

Signature/Thumb impression* of the patient

NOTE : *Strike out whichever is not applicable.”.

[Notification No. 177/2005/F. No. 142/25/2004-TPL]

CHANDRAJIT SINGH, Under Secy.

Note :—The principal rules were published under Notification No. S.O. 969 dated 26 March, 1962 which has been amended from time to time, the last such amendment was made vide notification No. S. O. 896(E) dated the 28 June, 2005.